



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 122]

No. 122]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 25, 2003/श्रावण 3, 1925
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 25, 2003/\$RAVANA 3, 1925

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 21 जुलाई, 2003

सं. टीएएमपी/64/2002-केपीटी.—महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 49 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण, एतद्वारा कांडला पत्तन न्यास की 401 से 600 बीएचपी क्षमता परास वाली लॉचों की दरों की समीक्षा के संबंध में कांडला पत्तन न्यास के प्रस्ताव को, संलग्न आदेश के अनुसार अनुमोदन प्रदान करता है।

अनुसूची

प्रकरण सं. टीएएमपी/64/2002-केपीटी

कांडला पत्तन न्यास

आवेदक

आदेश

(जुलाई 2003 के 8वें दिन पारित)

यह प्रकरण कांडला पत्तन न्यास की 401 से 600 बीएचपी क्षमता परास की लॉचों की दरों की समीक्षा के लिए कांडला पत्तन न्यास (केपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव के संबंध में है।

2. केपीटी के दरमान को अपने आदेश दिनांक 8 अप्रैल, 2002 के माध्यम से प्राधिकरण द्वारा संशोधित कर दिया गया था, जो 17 अप्रैल, 2002 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया था। संशोधित दरमान में, केपीटी द्वारा प्रदत्त सूचनाओं के आधार पर, 401-600 बीएचपी की क्षमता वाली लॉचों के भाड़ा प्रभार सम्मिलित नहीं किए गए थे।

3.1 केपीटी ने अपने प्रस्ताव के समर्थन में निम्नलिखित कारण बताए हैं :

- असावधानीवश, दो लॉचों, यथा, एम. एल. सूरजबारी और एम. एल. सागरिका की क्षमताएं गलती से 2 × 234 बीएचपी और 2 × 235 बीएचपी के स्थान पर क्रमशः 2 × 235 बीएचपी और 2 × 176 बीएचपी सूचित की गई थीं। इसलिए, 401 से 600 बीएचपी का एक ऐसा पायदान भी मौजूद है, जिसके लिए केपीटी के वर्तमान दरमान में कोई दर निर्धारित नहीं की गई थी।
- प्राधिकरण ने दिनांक 12 मई, 2000 और 14 फरवरी, 2001 के अपने आदेशों के द्वारा अर्थात् केपीटी के सामान्य संशोधन आदेश से पहले क्रमशः एम. एल. सूरजबारी और एम. एल. सागरिका की दरों को, अनुमोदन प्रदान कर दिया था। उसने प्राधिकरण के अनुमोदन के अधीन अस्थायी व्यवस्था के रूप में तदर्थ आधार पर उन्हीं दरों को, जो निम्नानुसार हैं, अपना लिया है :—

क्रम सं.	लॉच का नाम	क्षमता	दर प्रति घंटा या उसका भाग	
			रुपये	अम. डालर
1.	एम. एल. सूरजबारी	2 × 234 बी एच पी	2863/-	67.67
2.	एम. एल. सागरिका	2 × 235 बी एच पी	4519/-	163.19

3.2 केपीटी ने 400 से 600 बीएचपी क्षमता वाली लौहों के लिए विदेशगामी और तटीय पोतों के विषय में क्रमशः 126.09 अमरीकी डालर और रु. 3815/- प्रति घंटा या उसके भाग के आधार पर दर लगाने का प्रस्ताव किया है।

4. अपनाई गई परामर्शी प्रक्रिया के अनुसार, केपीटी का प्रस्ताव संबंधित उपयोगकर्ता संगठनों को उनकी टिप्पणियों के लिए भेज दिया गया था।

5. इस प्रकरण में केपीटी परिसर में 10 जून, 2003 को संयुक्त सुनवाई हुई थी। इस संयुक्त सुनवाई में, केपीटी और संबद्ध उपयोगकर्ताओं ने अपने-अपने पक्ष रखे।

6. इस प्रकरण में परामर्श से संबंधित प्रक्रियाएँ इस प्राधिकरण के कार्यालय के अभिलेख में उपलब्ध हैं। प्राप्त की गई टिप्पणियों के अंश और संबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्क प्रासंगिक पक्षों को अलग से भेजे जाएंगे। ये विवरण हमारे वेबसाइट [www. tariffauthority.org](http://www.tariffauthority.org) पर भी उपलब्ध होंगे।

7. केपीटी ने संयुक्त सुनवाई में फ्लोटिंग क्राफ्टों की सभी श्रेणियों के लिए वर्तमान दरों की समीक्षा के लिए और संशोधित प्रस्ताव 10 दिन के भीतर प्रस्तुत करने पर सहमति व्यक्त की थी। केपीटी द्वारा प्रस्तुत संशोधित प्रस्ताव की मुख्य बातें नीचे संक्षेप में दी जा रही हैं :—

- (i) क्राफ्टों और लौहों का बीएचपी आधार पर वर्गीकरण पुनः किया गया है। प्रस्तावित दरें उन दरों पर आधारित हैं जो प्राधिकरण द्वारा प्रशुल्क के पिछले सामान्य संशोधन के समय अनुमोदित की गई थी। एम. एल. सूरजबारी और एम. एल. सागरिका लौहों के लिए जो अब 401-600 बीएचपी के संशोधित पायदान पर आती हैं, वही दरें लागू की हैं जो इसने अपने मूल प्रस्ताव में 401-600 बीएचपी के पायदान के लिए प्रस्तावित की थी।
- (ii) अग्निशामक क्राफ्ट और जल नौका "भीमसेन" की दरों को अपरिवर्तित रखा गया है।
- (iii) प्रत्येक वर्ग के लिए प्रस्तावित दरें निम्नानुसार हैं :—

क्रम सं.	विवरण	यूनिट	दर	
			तटीय पोत (रु. में)	विदेश गामी पोत (अम. डालर में)
ए	क्राफ्टस :			
	200 बीएचपी तक	प्रति घंटा या उसका भाग	1024.00	34.58
	201 से 400 बीएचपी तक		3000.00	100.00
	401 से 1500 बीएचपी तक		3815.00	126.09
	1501 से 2000 बीएचपी तक		10,000.00	475.00
	2000 बी एच पी से ऊपर		13,500.00	500.00
			(न्यूनतम रु. 40500/- के अधीन)	(न्यूनतम 1500 आम. डालर के अधीन)
बी	अग्निशामक क्राफ्ट	8 घंटों का प्रत्येक खंड या उसका भाग	38,680.00	1841.17
सी	जल-नौका "भीमसेन"	प्रति घंटा या उसका भाग	3410.00	162.32

8. इस प्रकरण की प्रक्रिया के दौरान एकत्रित सूचना की समग्रता के संदर्भ से निम्नलिखित स्थिति उभरती है :—

- (i) केपीटी के दरमान के पिछले सामान्य संशोधन से पहले अलग-अलग क्राफ्टों के लिए विभिन्न प्रकार के फ्लोटिंग क्राफ्टों के भाड़ा प्रभार निर्धारित किए गए थे। जैसा कि इस प्रणाली को बहुत तर्कसंगत व्यवस्था नहीं पाया गया, इस प्राधिकरण ने केपीटी को सलाह दी कि वह अलग-अलग क्राफ्टों के आधार के बजाए क्षमता के आधार पर भाड़ा प्रभार प्रस्तावित करे। बाद में, केपीटी द्वारा ऐसी ही तर्कसंगतता प्रस्तावित की गई और केपीटी के दरमान के पिछले सामान्य संशोधन के समय प्राधिकरण द्वारा उसे अनुमोदन प्रदान किया गया था।
- (ii) यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि संशोधित दरमान में, क्राफ्टों को समुचित क्षमता परास के अन्तर्गत वर्गीकृत कर, निर्धारित दरें इससे पहले अलग-अलग क्राफ्टों के लिए अनुमोदित दरों के औसत पर आधारित हैं। सच तो यह है कि केपीटी ने 401-600 बीएचपी क्षमता परास में कोई क्राफ्ट बताया ही नहीं। जैसा कि इस परास में, प्रदत्त सूचना के अनुसार, कोई क्राफ्ट था ही नहीं, इसलिए उसका भाड़ा प्रभार निर्धारित करने का प्रश्न ही नहीं उठता। केपीटी ने अब स्वीकार किया है कि उसने एम.एल. सूरजबारी और एम.एल. सागरिका की क्षमताएं गलत सूचित की थीं, जो वास्तव में 401-600 बीएचपी की क्षमता परास में आती हैं। केपीटी का प्रस्ताव इस त्रुटि को ठीक करने के लिए है।
- (iii) जैसा कि 401-600 बीएचपी क्षमता परास में दो क्राफ्ट उपयोग में हैं और संशोधित दरमान में इनके लिए कोई दर नहीं है, केपीटी इन दो अलग-अलग लौहों के लिए निर्धारित पूर्व-संशोधित दरों पर ही निर्भर रहा। पत्तन द्वारा सामना की गई परिस्थितियों में, उसका वह

तरीका अनुचित नहीं पाया गया। स्पष्ट शब्दों में कहें तो, इस प्राधिकरण द्वारा अलग-अलग क्राफ्टों के लिए अधिसूचित दरों को, फ्लोटिंग क्राफ्ट्स की क्षमता परास पर आधारित भाड़ा-प्रभारों के निर्धारण वाले संशोधित दरमान की अधिसूचना से अधिक्रमित कर दिया गया है। पहले स्पष्ट की गई परिस्थितियों की दृष्टि से, केपीटी को, इस प्राधिकरण द्वारा 401-600 बीएचपी के लिए संशोधित दर निर्धारण करने तक, पूर्व संशोधित दरों को ही लागू करना होगा। इसीलिए केपीटी ने एम.एल. सूरजबारी और एम.एल. सागरिका के पूर्व संशोधित प्रशुल्क के आधार पर तदर्थ दरें लगाने की अस्थायी व्यवस्था लागू करने के प्रति अनुसमर्थन के रूप में अनुमोदन मांगा है। जहां एम.एल. सागरिका के लिए अपनाई गई तदर्थ दर, इस प्राधिकरण द्वारा पहले अनुमोदित की गई पूर्व संशोधित दर के आधार पर है, वहीं एम.एल. सूरजबारी के लिए तटीय दर इस प्राधिकरण द्वारा दिए गए अनुमोदन के अनुरूप नहीं पाई गई। एम.एल. सूरजबारी के लिए दर निर्धारित करने वाले दिनांक 12 मई, 2000 के अपने आदेश के माध्यम से इस प्राधिकरण ने निर्धारित किया था कि तटीय पोतों को, विदेशगामी पोतों के लिए निर्धारित भाड़ा प्रभारों का 30% छूट मिलनी चाहिए। केपीटी ने इसके द्वारा अपनाई गई तदर्थ व्यवस्था में, तटीय पोतों को मिलने वाली छूट संबंधी शर्त निकाल दी। यह प्राधिकरण एम.एल. सूरजबारी के लिए तटीय पोत दरों के विषय में एक परिष्करण के अधीन, केपीटी द्वारा एम.एल. सूरजबारी और एम.एल. सागरिका अपनाई गई दरों का अनुसमर्थन करता है।

(iv) जैसाकि जीसीसीआई द्वारा ठीक ही उल्लेख किया गया है कि केपीटी द्वारा 401-600 बीएचपी के लिए मूल रूप से प्रस्तावित दर "600 बीएचपी से ऊपर" की क्षमता वाली लांचों के लिए निर्धारित दरों से भी ज्यादा है। इसके अतिरिक्त यदि 401-600 बीएचपी के अधीन लाए जाने वाली किसी अन्य पायदान में से एम.एल. सूरजबारी और एम.एल. सागरिका को अभी बाहर रखना है तो अन्य पायदानों के लिए दरों में भी परिवर्तन हो सकते हैं। इसलिए, केपीटी को सलाह दी गई थी कि वह लांचों का वर्गीकरण तर्कसंगत ढंग से पुनः तैयार करे और औसत लेते हुए विभिन्न क्षमता परासों के लिए दरें प्रस्तावित करे। केपीटी ने इस प्रकार का संशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत किया है जिसमें इसने क्षमता परासों को तर्कसंगत बनाया है और सभी टएस और लांचों को इकट्ठा कर दिया है।

(v) वर्तमान दरमान के संदर्भ से, प्रस्तावित पुनः वर्गीकरण की '200 बीएचपी', '201-400 बीएचपी', '1501-2000 बीएचपी' और '2000 बीएचपी से ऊपर' की क्षमता परास में दरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं होगी। केपीटी द्वारा अलग-अलग क्राफ्टों की उपलब्ध करवाई गई क्षमता पर और इस प्राधिकरण द्वारा उनके लिए पहले निर्धारित दरों पर विचार करते हुए 401-1500 बीएचपी की पुनः वर्गीकृत क्षमता परास में टएस और लांचों के लिए औसत दरें, विदेशगामी और तटीय पोतों के लिए जैसाकि केपीटी ने प्रस्तावित की थी, क्रमशः 126.9 अम. डालर और रु. 3815 के स्थान पर क्रमशः 121.67 अम. डालर और रु. 3110.44 आती है। जैसाकि क्षमता समूहों के पुनः वर्गीकरण के लिए औसत दर का सिद्धांत अपनाया गया है, 401-1500 बीएचपी के लिए प्रस्तावित दर के संदर्भ में केपीटी का प्रस्ताव संशोधित किया जाता है।

7. परिणामस्वरूप और ऊपर दिए गए कारणों से तथा समग्र विचार विमर्श के आधार पर यह प्राधिकरण निम्नलिखित को अनुमोदन प्रदान करता है :—

(i) इस प्राधिकरण के आदेश दिनांक 8 अप्रैल, 2002 के माध्यम से अनुमोदित संशोधित दरमान लागू करने की तिथि से इस आदेश के भारत के राजपत्र में अधिसूचित होने की तिथि तक, इस प्राधिकरण के आदेश सं. टीएएमपी/2/98/केपीटी, दिनांक 12 मई, 2000 और टीएएमपी/61/2000 केपीटी, दिनांक 14 फरवरी, 2001 के माध्यम से अधिसूचित दरों के आधार पर क्रमशः एम.एल. सूरजबारी और एम.एल. सागरिका के लिए भाड़ा प्रभार लगाना।

(ii) भविष्य में, इस आदेश की भारत के राजपत्र में अधिसूचना की तिथि से केपीटी के दरमान के अध्याय-IV की अनुसूची 6 को निम्नलिखित अनुसूची से प्रतिस्थापित करना :

"6. पोर्ट फ्लोटिंग क्राफ्टों के उपयोग के लिए प्रभारों की अनुसूची

क्रम सं.	विवरण	यूनिट	दर	
			तटीय पोत (रु. में)	विदेशगामी पोत (अम. डालर में)
1	2	3	4	5
ए	क्राफ्ट्स :			
	200 बीएचपी तक	प्रतिघंटा	1024.00	34.58
	201-400 बीएचपी तक	या	3000.00	100.00
	401-1500 बीएचपी तक	उसका	3110.44	121.67
	1501-2000 बीएचपी तक	भाग	10,000.00	475.00
	2000 बीएचपी से ऊपर		13,500.00	500.00
			(न्यूनतम रु. 40500 के अधीन)	(न्यूनतम 1500 अम.

1	2	3	4	5
				डालर के अधीन)
बी	अग्निशामक क्राफ्ट	8 घंटों का प्रत्येक खंड या उसका भाग	38,680.00	1841.17 अम. डालर
सी	जल-नौका "भीमसेन"	प्रतिघंटा या उसका भाग	3410.00	162.32 अम. डालर

अ.ल. बोंगिरवार, अध्यक्ष

[सं. विज्ञापन/III/TV/143/03-असा.]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS NOTIFICATION

Mumbai, the 21st July, 2003

No. TAMP/64/2002-KPT.—In exercise of the powers conferred under Section 49 of the Major Port Trust Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby approves the proposal of the Kandla Port Trust regarding review of rates for its launches falling in the capacity range 401-600 BHP as in the Order appended hereto.

Tariff Authority for Major Ports Case No. TAMP/64/2002-KPT

The Kandla Port Trust

Applicant

ORDER

(Passed on this 8th day of July 2003)

This case relates to a proposal received from the Kandla Port Trust (KPT) for a review of the rates for its launches falling in the capacity range 401-600 BHP.

2. The Scale of Rates (SOR) of the KPT was revised by this Authority's Order dated 8 April 2002, which was notified in the Gazette of India on 17 April 2002. In the revised SOR, the hire charges for the launch of capacity 401-600 BHP were not included based on the information furnished by the KPT.

3.1. The KPT has stated the following reasons in support of its proposal:

- (i). By oversight, the capacity of the two launches viz. M.L. Surajbari and M.L. Sagarika was wrongly communicated as 2x325 BHP and 2x176 BHP instead of 2x234 BHP and 2x235 BHP respectively. Therefore, there exists a slab for the capacity range 401-600 BHP for which no rate is prescribed in the existing SOR of the KPT.
- (ii). The Authority had approved the rates for M.L. Surajbari and M.L. Sagarika vide its orders dated 12 May 2000 and 14 February 2001 respectively i.e. prior to the General revision Order of the KPT. It has adopted the same rates on ad-hoc basis as a temporary arrangement subject to the approval of the Authority, which are as follows:

Sl. No.	Name of the Craft	Capacity	Rate per hour or part thereof	
			Rs.	US\$
1.	M.L.Surajbari	2x234 BHP	2863	67.67
2.	M.L.Sagarika	2x235 BHP	4519	163.19

3.2. The KPT has also proposed to levy prospectively a rate for 400-600 BHP capacity launches on per hour or part thereof basis of US\$ 126.09 and Rs.3815 in respect of foreign-going vessels and coastal vessels respectively.

4. In accordance with the consultative procedure adopted, the KPT proposal was forwarded to the concerned user organisations for their comments.

5. A joint hearing in this case was held on 10 June 2003 at the KPT premises. At the joint hearing, the KPT and the concerned users have made their submissions.

6. The proceedings relating to consultation in this case are available on records at the office of this Authority. An excerpt of the comments received and arguments made by the concerned parties will be sent separately to the relevant parties. These details will also be available at our website www.tariffauthority.org.

7. At the joint hearing, the KPT agreed to review the existing rates for all categories of floating crafts and submit a revised proposal within 10 days. The main points made in the revised proposal submitted by the KPT are summarised below:

- (i). Classification of the crafts and launches is redone on the basis of BHP. The rates proposed are based on the rates already approved by the Authority at the time of the last general revision of tariff. For the launches M.L. Surajbari and M.L. Sagarika now falling under the revised slab 401-1500 BHP, the same rate proposed for the slab 401-600 BHP in its original proposal has been applied.
- (ii). Rates of the fire fighting craft and water barge 'Bhimsen' are kept unchanged.
- (iii). Rates proposed for each category are as follows:

Sl. no.	Description	Unit	Rate	
			Coastal vessel (in Rs.)	Foreign-going vessel (in US\$)
A.	Crafts: Upto 200 BHP 201-400 BHP 401-1500 BHP 1501-2000 BHP above 2000 BHP	Per hour or part thereof	1024.00 3000.00 3815.00 10000.00 13500.00 (Subject to a minimum of Rs 40,500)	34.58 100.00 126.09 475.00 500.00 (Subject to a minimum of US\$ 1500)
B.	Fire fighting craft	Per block of 8 hour or part thereof	38680.00	1841.17
C.	Water Barge 'BHIMSEN'	Per hour or part thereof	3410.00	162.32

8. With reference to the totality of information collected during the processing of this case, the following position emerges:

- (i). Prior to the last general revision of the Scale of Rates of the KPT, hire charges for different types of floating crafts were prescribed for individual crafts. Since this system was found not to be a very rationale arrangement, this Authority advised the KPT to propose hire charges based on capacity range instead of individual craft basis. Such a rationalization was subsequently proposed by the KPT; and, it was approved by this Authority at the time of the last general revision of the Scale of Rates of the KPT.

2073 GI/03-2

- (ii). It is relevant here to mention that the rates prescribed in the revised SOR are based on the average of the rates earlier approved for the individual crafts by classifying them under the appropriate capacity ranges. As a matter of fact, the KPT did not report any craft in the capacity range of 401-600 BHP. Since no craft was reportedly existed in this range, the question of prescribing hire charges therefor did not arise. KPT has now admitted that it had wrongly reported the capacities of M.L. Surajbari and M.L. Sagarika which should, in fact, fall in the capacity range of 401-600 BHP. The proposal of the KPT is to rectify this error.
- (iii). Since the two crafts in the capacity range of 401-600 BHP are in use and no rate for them is available in the revised SOR, the KPT has relied on the pre-revised rate fixed for these two individuals launches. This approach is not found to be unreasonable given the circumstances faced by the Port. Strictly speaking, the rates notified by this Authority earlier for individual craft have been superceded with the notification of revised Scale of Rates prescribing hire charges based on the capacity range of floating crafts. In view of the circumstances explained earlier, the KPT has to apply the pre-revised rates till a revised rate for 401-600 BHP is prescribed by this Authority. The KPT has, therefore, sought approval in the form of ratification to the temporary arrangement introduced by it of charging ad hoc rates based on the pre-revised tariff for M.L. Surajbari and M.L. Sagarika. While the ad hoc rate adopted for M.L. Sagarika is based on the pre-revised rate earlier approved by this Authority, coastal vessel rate for M.L. Surajbari is not found to be in line with the approval of this Authority. While fixing the rate for M.L. Surajbari vide its Order dated 12 May 2000, this Authority prescribed that a rebate of 30% of the hire charges prescribed for foreign going vessels should be allowed to coastal vessels. The condition about allowing rebate for coastal vessels has been omitted by the KPT in the ad hoc arrangement adopted by it. Subject to a modification with respect to the coastal vessel rates for M.L. Surajbari, this Authority ratifies the ad hoc rates for M.L. Surajbari and M.L. Sagarika adopted by the KPT.
- (iv). As has been correctly pointed out by the GCCI, the rate originally proposed by the KPT for 401-600 BHP is more than the rate prescribed for launches of capacity 'above 600 BHP'. Further, if M.L. Sagarika and M.L. Surajbari are to be excluded from some other slabs to be brought under 401-600 BHP, there can be a change in the rates for the other slabs also. The KPT was, therefore, advised to re-work out classification of launches in a rational manner and propose rates for different capacity ranges by taking the average. The KPT has submitted such a revised proposal in which it has rationalized the capacity ranges and clubbed all the tugs and launches together.
- (v). With reference to the existing Scale of Rates, the proposed re-classification will not have any repercussions in rates in the capacity range of upto '200 BHP', '201-400 BHP', '1501-2000 BHP' and 'above 2000 BHP'. Considering the capacity of individual craft furnished by the KPT and individual rates therefor prescribed earlier by this Authority, the average rate for tugs and launches in the re-classified capacity range of 401-1500 BHP comes to US\$ 121.67 and Rs 3110.44 instead of the rates proposed by the KPT of US\$ 126.09 and Rs 3815 respectively for foreign going vessels and coastal vessels. Since the principle of average rate is adopted for the re-classification of capacity groups, the KPT proposal is modified with reference to the rate proposed for 401-1500 BHP.

7. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, this Authority approves the following:

- (i). Levying hire charges for M.L. Surajbari and M.L. Sagarika based on the rates notified vide this Authority's Orders No. TAMP/2/98- KPT dated 12 May 2000 and TAMP/61/2000-KPT dated 14 February 2001 respectively from the date of implementation of the revised Scale of Rates approved vide Authority's Order dated 8 April 2002 till the date of notification of this Order in the Gazette of India, and;

- (ii). Substitution of Schedule 6 of Chapter-IV of the Scale of Rates of KPT by the following Schedule with prospective effect from the date of the notification of this Order in the Gazette of India:

"6. Schedule of charges for use of port floating craft

Sl. no.	Description	Unit	Rate	
			Coastal vessel (in Rs.)	Foreign-going vessel (in US\$)
A.	Crafts:	Per hour or part thereof		
	Upto 200 BHP		1024.00	34.58
	201-400 BHP		3000.00	100.00
	401-1500 BHP		3110.44	121.67
	1501-2000 BHP		10000.00	475.00
	above 2000 BHP		13500.00	500.00
			(Subject to a minimum of Rs 40,500)	(Subject to a minimum of US\$ 1500)
B.	Fire fighting craft	Per block of 8 hour or part thereof	38680.00	1841.17
C.	Water Barge 'BHIMSEN'	Per hour or part thereof	3410.00	162.32

A. L. BONGIRWAR, Chairman

[No. ADVT. III/IV/143/03-Exty.]